45 दिन का कच्चा तेल भंडार, विकल्प भी तैयार

मिडिल ईस्ट में जंग, भारत को नहीं तेल की टेंशन

देश के पास पर्याप्त रणनीतिक भंडार मौजूद है

नई दिल्ली, 03 मिडिल ईस्ट में बढ़ते युद्ध जैसे हालात ने वैश्विक ऊर्जा बाजार को हिला दिया है. ईरान द्वारा खाड़ी देशों पर हमले और संयुक्त राज्य अमेरिका-इज़राइल की जवाबी कार्रवाई से तनाव लगातार बढ़ रहा है.

सबसे बड़ी चिंता कच्चे तेल की आपूर्ति को लेकर है, क्योंकि वैश्विक आपूर्ति का बड़ा हिस्सा होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरता है. इसी आशंका के बीच अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतों में 13 प्रतिशत तक उछाल देखा गया और दाम 100 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंचने की आशंका जताई जा रही है. हालांकि भारत के लिए फिलहाल स्थिति नियंत्रण में बताई जा रही है. सरकारी अधिकारियों के अनुसार, देश के पास पर्याप्त रणनीतिक भंडार मौजूद हैं, जो अल्पकालिक आपूर्ति बाधा की स्थिति में भी घरेलू मांग को पूरा कर सकते हैं. भारत के पास लगभग 45 दिनों तक चलने लायक कच्चे तेल का भंडार है.

इसके अलावा एलपीजी और एलएनजी की जरूरतों को करीब 15 दिनों तक पूरा करने की क्षमता भी रिजर्व में मौजूद है. ऐसे समय में जब होर्मुज जलडमरूमध्य के चोक होने की खबरें सामने आ रही हैं, यह तैयारी भारत के लिए बड़ी राहत मानी जा रही है. विशेषज्ञों का कहना है कि यदि जलडमरूमध्य में लंबी अवधि का व्यवधान होता भी है, तो भारत वैकल्पिक बाजारों—अफ्रीका, अमेरिका और रूस जैसे देशों—से आपूर्ति सुनिश्चित कर सकता है. फिलहाल अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चा तेल 80 डॉलर प्रति बैरल के आसपास कारोबार कर रहा है.

> होर्मुज जलडमरूमध्य वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति का सबसे अहम मार्ग है, जहां से लगभग 40 प्रतिशत कच्चा तेल और 20प्रतिशत एलएनजी शिपमेंट गुजरता है. इसी कारण इस क्षेत्र में अस्थिरता का असर यूरोप तक दिखा, जहां प्राकृतिक गैस की कीमतों में 22प्रतिशत तक उछाल दर्ज किया गया—जो 2022 के बाद सबसे बड़ी वृद्धि है.

भारत-अमेरिका साझेदारी में विज्ञान की नई उड़ान

नई दिल्ली, 03 मार्च. केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा कि विज्ञान, प्रौद्योगिकी और जैव प्रौद्योगिकी भारत-अमेरिका व्यापक रणनीतिक साझेदारी के मजबूत स्तंभ हैं. उन्होंने उन्नत जैव-विनिर्माण, अनुसंधान और नवाचार आधारित औद्योगिक सहयोग को नई दिशा देने पर जोर दिया.

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अनुसार, यह बात उन्होंने मैट मेयर के नेतृत्व में आए अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक के दौरान कही. बैठक में फार्मा, जैव प्रौद्योगिकी, स्वच्छ ऊर्जा और नवाचार इकोसिस्टम को लेकर ठोस सहयोग की संभावनाओं पर चर्चा हुई. डॉ. सिंह ने उन्नत जैव-विनिर्माण के क्षेत्र में एक संरचित भारत-डेलावेयर साझेदारी का प्रस्ताव रखा. उन्होंने अनुसंधान, विनिर्माण और स्टार्टअप इकोसिस्टम में तालमेल बढ़ाने के लिए एक छोटे कार्य समूह के गठन का सुझाव भी दिया. उनका कहना था कि भारत उन अमेरिकी राज्यों के साथ गहरे जुड़ाव की संभावना देखता है, जिनके पास मजबूत नवाचार ढांचा मौजूद है. उन्होंने बताया कि भारत जैव प्रौद्योगिकी और फार्मास्युटिकल क्षेत्र में तेजी से वैश्विक नवाचार केंद्र के रूप में उभर रहा है. देश की क्षमता अनुसंधान एवं विकास से लेकर बड़े पैमाने पर किफायती विनिर्माण तक फैली हुई है. डॉ. सिंह ने वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद की भूमिका पर भी प्रकाश डाला.

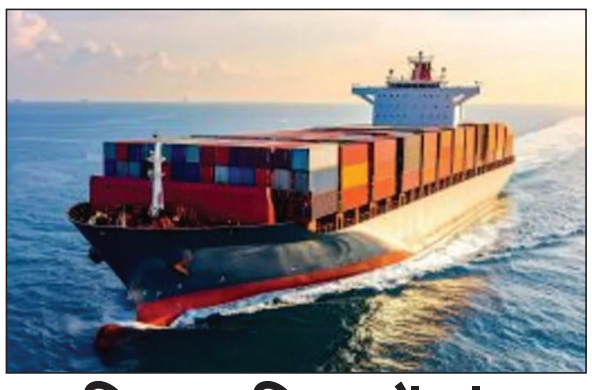

पश्चिम एशिया में जंग : भारत पर महंगाई की मार

खाद्य तेल-उर्वरक आयात पर संकट, बढ़ेगी लागत

सूरजमुखी तेल की आपूर्ति में भी व्यवधान की आशंका

नई दिल्ली, 03 मार्च. पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और संयुक्त राज्य अमेरिका ईरान के बीच सैन्य टकराव की आशंका ने वैश्विक व्यापार की धड़कनें तेज कर दी हैं. इसका सीधा असर भारत पर दिखने लगा है. खाद्य तेल, उर्वरक और कच्चे तेल जैसे आवश्यक आयात महंगे होने के संकेत मिल रहे हैं.

शिपिंग कंपनियों ने युद्ध जोखिम अधिभार लगाना शुरू कर दिया है, जिससे आयात लागत बढ़ रही है. उद्योग संगठनों ने चेतावनी दी है कि यदि हालात नहीं सुधरे, तो खरीफ सीजन से पहले उर्वरकों की उपलब्धता प्रभावित हो सकती है. सूरजमुखी तेल की आपूर्ति में भी व्यवधान की आशंका है, क्योंकि प्रमुख निर्यातक देशों से आने वाली खेप को वैकल्पिक मार्ग अपनाने पड़ सकते हैं. बढ़ती ऊर्जा कीमतें और बीमा प्रीमियम भारतीय बाजार में महंगाई का नया दौर ला सकते हैं.

पश्चिम एशिया में संघर्ष की आहट के साथ भारतीय उद्योग जगत में चिंता गहराने लगी है. भारत हर वर्ष लगभग 1.6 करोड़ टन खाद्य तेल आयात करता है, जिसमें सूरजमुखी तेल की हिस्सेदारी करीब 20 प्रतिशत है. यह तेल मुख्यत: रूस, यूक्रेन और अर्जेंटीना से आता है, लेकिन समुद्री मार्गों पर तनाव बढ़ने से शिपिंग लागत में उछाल तय माना जा रहा है.

> फ्रांस की प्रमुख कंटेनर कंपनी सीएमए सीजीएम ने पश्चिम एशिया से गुजरने वाले कार्गो पर 2,000 से 4,000 डॉलर प्रति कंटेनर तक का आपात अधिभार लगाना शुरू कर दिया है. घुलनशील उर्वरक उद्योग संघ के अध्यक्ष राजीब चक्रवर्ती ने चेताया है कि डीएपी और एसएसपी उर्वरकों के उत्पादन के लिए जरूरी कच्चे माल की आपूर्ति प्रभावित हो सकती है. भारत के गंधक आयात का 76 प्रतिशत हिस्सा कतर, संयुक्त अरब अमीरात और ओमान से आता है. यदि बंदरगाहों पर जाम और कंटेनर की कमी बढ़ी, तो खरीफ बुवाई से पहले उर्वरक संकट खड़ा हो सकता है. ऊर्जा बाजार भी इस तनाव से अछूता नहीं है. कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी से लॉजिस्टिक्स लागत और जैव ईंधन बाजार पर दबाव बढ़ेगा. भारतीय वनस्पति तेल उत्पादक संघ और सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने आगाह किया है कि यदि संघर्ष लंबा खिंचा, तो खाद्य तेल बाजार में अस्थिरता बढ़ेगी.

इंडिगो चीन के शंघाई के लिए शुरू करेगी उड़ान

नयी दिल्ली, 03 मार्च. निजी विमान सेवा कंपनी इंडिगो इस महीने के अंत में कोलकाता से चीन के शंघाई के लिए सीधी दैनिक उड़ान शुरू करेगी.

एयरलाइंस ने सोमवार को बताया कि यह उड़ान 29 मार्च से शुरू होगी. इस मार्ग पर ए 320 विमान का परिचालन किया जायेगा. इससे पहले इंडिगो ने चीन के ग्वांग्झु शहर के लिए सेवा दोबारा शुरू की थी. कोलकाता से उड़ान संख्या 6ई 1709 रात में 9.45 बजे उड़ान भरेगी और स्थानीय समय के अनुसार अगले दिन तड़के 4.40 बजे शंघाई पहुंचेगी. वापसी की उड़ान स्थानीय समय के अनुसार सुबह 5.40 बजे रवाना होगी भारतीय समयानुसार सुबह 9.05 बजे कोलकाता आयेगी.

इंडिगो में वैश्विक बिक्री प्रमुख विनय मल्होत्रा ने कोलकाता और शंघाई के बीच सीधी उड़ान शुरू करने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि शंघाई चीन का सबसे बड़ा शहर और एक वैश्विक वित्तीय केंद्र है. इस नयी उड़ान से द्विपक्षीय व्यापार, पर्यटन और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा मिलेगा.

मित्तल को जीएसएमए लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड

भारती एयरटेल आज दुनिया की अग्रणी मोबाइल ऑपरेटर कंपनियों में से एक है

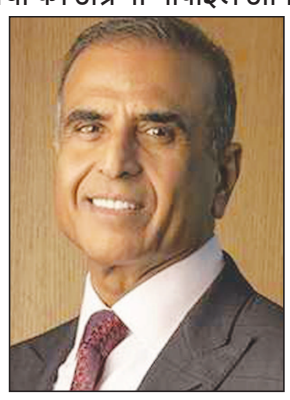

नई दिल्ली, 03 मार्च. भारती एंटरप्राइजेज के संस्थापक और चेयरमैन सुनील भारती मित्तल को दूरसंचार क्षेत्र में उनके वैश्विक स्तर पर योगदान के लिए ग्लोबल सिस्टम फॉर मोबाइल कम्युनिकेशन्स ने बार्सिलोना में एक वैश्विक कार्यक्रम के दौरान लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया है.

कंपनी की एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है कि श्री मित्तल को यह सम्मान उन्हें दुनिया भर में दूरसंचार क्षेत्र का परिदृश्य बदलने और सरकारों, व्यवसायों तथा अरबों उपभोक्ताओं तक कनेक्टिविटी (संपर्क) के विस्तार में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका के लिए दिया गया है. वह यह सम्मान पाने वाली दूरसंचार क्षेत्र की कुछ गिनी-चुनी हस्तियों में शामिल हैं. बार्सिलोना में आयोजित मोबाइल वर्ल्ड कांग्रेस के दौरान यह सम्मान उन्हें स्पेन के राजा महामहिम फेलिप षष्ठम, स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज, कैटलोनिया के राष्ट्रपति साल्वाडोर इला और वैश्विक उद्योग जगत के नेताओं की गरिमामयी उपस्थिति में प्रदान किया गया. कहा गया है कि श्री मित्तल के नेतृत्व में भारती एयरटेल आज दुनिया की अग्रणी मोबाइल ऑपरेटर कंपनियों में से एक है.

> भारत और अफ्रीका में अपने ऑपरेशन के साथ एयरटेल दुनिया की शीर्ष तीन कंपनियों में शामिल है और 50 करोड़ से अधिक ग्राहकों को अपनी सेवाएं दे रही है. उन्होंने उभरते बाजारों में मोबाइल सेवाओं के विस्तार की पहल की और साल 2017 से 2018 तक जीएसएमए के चेयरमैन के रूप में कार्य किया. इससे पहले उन्हें वैश्विक मोबाइल उद्योग के विकास में उत्कृष्ट योगदान के लिए 2008 और 2016 में जीएसएमए चेयरमैन अवॉर्ड से सम्मानित किया जा चुका है. श्री मित्तल ने कहा है, यह सम्मान पाकर मैं अत्यंत गौरवान्वित हूं ...

रुपया 41 पैसे लुढ़का

मुंबई, 03 मार्च. पश्चिम एशिया में जारी संकट के बीच अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया 41.25 पैसे टूट गया और कारोबार की समाप्ति पर एक डॉलर 91.4925 रुपये का बोला गया. भारतीय मुद्रा पिछले कारोबारी दिवस पर 16.50 पैसे गिरकर 91.08 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुई थी.

रुपये में आज शुरू से ही गिरावट रही. यह 15.50 पैसे की गिरावट में 91.2350 रुपये प्रति डॉलर पर खुला. एक समय यह 91.65 रुपये प्रति डॉलर तक टूट गया था. दुनिया की अन्य प्रमुख मुद्राओं की तुलना में डॉलर सूचकांक में 0.9 प्रतिशत की तेजी से रुपये पर दबाव रहा. साथ ही अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में 10 प्रतिशत की उछाल से भी भारतीय मुद्रा कमजोर हुई है.

मध्य पूर्व तनाव से चमका सोना, पांचवें दिन उछाल

ऊर्जा संकट और महंगाई चिंता से बढ़ी सुरक्षित निवेश की मांग

नई दिल्ली, 03 मार्च. मध्य पूर्व में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के बीच वैश्विक बाज़ारों में सोने की कीमतों में लगातार पांचवें सत्र में तेजी दर्ज की गई. मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर अप्रैल डिलीवरी वाला सोना 2.53 प्रतिशत चढ़कर 1,66,199 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया. वहीं मई डिलीवरी वाली चांदी 0.90 प्रतिशत गिरकर 2,80,090 रुपये प्रति किलोग्राम रही.

विश्लेषकों का कहना है कि निवेशक अनिश्चित माहौल में सुरक्षित निवेश विकल्पों की ओर रुख कर रहे हैं. पश्चिम एशिया में तनाव, ऊर्जा कीमतों में उछाल और अमेरिकी मौद्रिक नीति को लेकर अनिश्चितता ने सोने को सहारा दिया है. होली के कारण मंगलवार को एमसीएक्स के पहले सत्र में कारोबार बंद रहा और शाम 5 बजे से ट्रेडिंग दोबारा शुरू हुई.

अंतरराष्ट्रीय बाजार में स्पॉट गोल्ड 0.8 प्रतिशत बढ़कर 5,360 डॉलर प्रति औंस तक पहुंच गया, जबकि अमेरिकी गोल्ड फ्यूचर्स में करीब 1 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई. स्पॉट सिल्वर भी लगभग 1.9 प्रतिशत बढ़कर 91.11 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया. हालांकि डॉलर इंडेक्स 0.19 प्रतिशत बढ़कर 98.57 पर पहुंचने से विदेशी खरीदारों के लिए सोना महंगा हुआ, जिससे तेजी पर आंशिक लगाम लगी.

एपल ने लॉन्च किया 17ई और नया आईपैड एयर

नई दिल्ली, 03 मार्च.टेक दिग्गज एप्पल ने सोमवार 2 मार्च को अपनी नई 17 सीरीज के तहत किफायती मॉडल 17ई लॉन्च कर दिया. इसके साथ कंपनी ने अपडेटेड एम 4 प्रोसेसर वाला नया आईपैड एयर भी पेश किया है.

दोनों प्रोडक्ट्स की शुरुआती कीमत 64,900 रुपए रखी गई है, जबकि हाईयर वेरिएंट 84,900 रुपए में मिलेगा. स्टूडेंट्स के लिए आईपैड एयर 59,900 रुपए में उपलब्ध होगा. प्री-बुकिंग 4 मार्च शाम 7:45 बजे से शुरू होगी और बिक्री 11 मार्च से.

नया आईफोन 17ई पिछले मॉडल से 5,000 रुपए महंगा है, लेकिन इसमें बेस वेरिएंट में ही 256जीबी स्टोरेज दी गई है. फोन में 'मैट' फिनिश के साथ प्रोटेक्शन दिया गया है, जो स्क्रैच से तीन गुना ज्यादा सुरक्षा का दावा करता है. यूएसबी पोर्ट और खास 'एक्शन बटन' भी शामिल है.

निर्यातकों का डिमरेज शुल्क माफ करने का अनुरोध

नई दिल्ली, 03 मार्च. परिधान निर्यात संवर्धन परिषद ने पश्चिम एशिया के कई देशों में हवाई क्षेत्र बंद किये जाने के कारण देश के विभिन्न हवाई अड्डे पर अटके माल के लिए डिमरेज शुल्क माफ करने का अनुरोध किया है.

हवाई अड्डा या बंदरगाह समय पर माल न हटाने के लिए आयातकों और निर्यातकों से डिमरेज शुल्क वसूलते हैं. एईपीसी के अध्यक्ष ए. शक्तिवेल ने नागरिक उड्डयन मंत्रालय के सचिव को मौजूदा स्थिति से पैदा हुई समस्या के संबंध में एक पत्र लिखकर अवगत कराया है कि अंतरर्राष्ट्रीय उड़ानों के बाधित होने के परिणामस्वरूप मार्ग निर्यात की खेपें वर्तमान में देश के अनेक हवाई अड्डों के कार्गो टर्मिनलों पर फंसी हुई हैं. यह देरी अप्रत्याशित कारणों से हुई है, जो नियंत्रण से बाहर हैं.

> उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति में डिमरेज शुल्क लगाना उन निर्यातकों पर अनावश्यक वित्तीय बोझ डालेगा. श्री शक्तिवेल ने नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) से अनुरोध किया है कि वह कार्गो टर्मिनल ऑपरेटरों को उपयुक्त निर्देश जारी करने पर विचार करे, ताकि जारी अंतरर्राष्ट्रीय घटनाक्रमों के कारण उड़ानों में व्यवधान, वायुक्षेत्र प्रतिबंध या संबंधित परिचालन बाधाओं के चलते निर्यात की जिन खेपों को नहीं उठाया जा सका है, उन पर डिमरेज शुल्क में छूट प्रदान की जा सके.

समाचार विशेष

एक सीट के लिए आरजेडी खटखटाएगा हर द्वार

बड़े कारोबारी पर नजर, कौन होगा राज्यसभा प्रत्याशी?

पटना. राज्यसभा में रिक्त हो रही अपनी दो सीटों में से राजद एक सीट किसी भी तरह वापस पाना चाहता है. उसके लिए पार्टी हर संभव उपाय करेगी. राजनीति को छल-बल से कभी गुरेज रहा भी नहीं. ऐसे में राजद का प्रत्याशी भी दमदार होगा, जो एनडीए का मुकाबला हर स्तर पर बढ़-चढ़कर कर सके.

रविवार को हुई पार्टी की संसदीय बोर्ड की बैठक में इन सभी पहलुओं पर विचार-विमर्श हुआ. जीत के गणित में कमजोर होने के बावजूद एक सीट पर मुकाबले के लिए अंतिम सहमति बनी.

तय हुआ कि प्रत्याशी उसे ही बनाया जाए, जो संसदीय राजनीति में दक्षता के साथ आर्थिक चुनौतियों का भी सहजता से सामना कर सके. अंतत: प्रत्याशी चयन के लिए सुप्रीमो लालू प्रसाद और कार्यकारी अध्यक्ष तेजस्वी यादव को अधिकृत कर दिया गया.

रिक्त हो रही सीटों की स्थिति- बिहार से राज्यसभा की कुल 5 सीटें रिक्त हो रही हैं, जिनमें 2 सीटें राष्ट्रीय जनता दल के कोटे की हैं.

रिक्त सीटें (पार्टीवार)- जनता दल (यूनाइटेड)-हरिवंश नारायण सिंह, रामनाथ ठाकुर

राजद- प्रेमचंद्र गुप्ता, एडी सिंह

राष्ट्रीय लोक मोर्चा - उपेंद्र कुशवाहा

संघर्ष और संदेश

विधायकों की कम संख्या के बावजूद राजद चुनाव मैदान में उतर रही है, ताकि उस पर कमजोर विपक्ष होने की छवि न बने. हार की स्थिति में भी कार्यकर्ताओं के बीच यह संदेश जाएगा कि पार्टी हर राजनीतिक मुकाबले के लिए तैयार है. पिछले दो दशकों से बिहार में विधानसभा कोटे से राज्यसभा सीटों पर बिना मतदान चयन की परंपरा रही है. इस बार परिस्थितियां ऐसी बन रही हैं कि यह परंपरा टूट सकती है. राबड़ी देवी के सरकारी आवास (10, सर्कुलर रोड) पर देर शाम हुई बैठक में लालू-तेजस्वी सहित अधिसंख्य सांसद, विधायक, विधान पार्षद और पार्टी के वरीय रणनीतिकार उपस्थित रहे.

के कविता पार्टी चलाएंगी या पिता के साथ लौटेंगी?

हैदराबाद. शराब नीति घोटाले का केस खारिज होने के बाद सिर्फ अरविंद केजरीवाल और उनकी पार्टी को ही राहत नहीं मिली है, बल्कि तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव की बेटी के कविता को भी बड़ी राहत मिली है.

सीबीआई ने शराब घोटाले में एक साउथ ग्रुप का जिक्र किया था और कविता को उसका नेता बताया था. दिल्ली की विशेष अदालत के जज ने साउथ ग्रुप जुमले को लेकर भी सीबीआई की खिंचाई की और पूछा कि साउथ ग्रुप है तो नॉर्थ ग्रुप क्यों नहीं है? ध्यान रहे अगर शराब कंपनियां दक्षिण भारत की थी तो इस कथित घोटाले में शामिल नेता और अन्य लोग उत्तर भारत के थे. बहरहाल, अब सवाल है कि के कविता के बरी होने के बाद राज्य में क्या राजनीति होगी. गौरतलब है कि के कविता ने अपने पिता की पार्टी छोड़ दी है. बीआरएस से अलग होकर उन्होंने तेलंगाना जागृति पार्टी बनाई है.

बीजेडी-कांग्रेस की जुगलबंदी से बढ़ी भाजपा की टेंशन

भुवनेश्वर. ओडिशा में आगामी राज्यसभा चुनावों ने सियासी पारा चढ़ा दिया है. चार सीटों में से चौथी सीट अब सबसे अहम बनकर उभरी है. इस सीट का नतीजा राज्य की राजनीति में नए समीकरण गढ़ सकता है.

आंकड़ों पर नजर डालें तो भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के खाते में दो सीटें और बीजू जनता दल (बीजेडी) के खाते में एक सीट जाना लगभग तय माना जा रहा है. ऐसे में चौथी सीट पर मुकाबला दिलचस्प होता जा रहा है.

साझा उम्मीदवार से बढ़ी हलचल- बीजेडी ने चौथी सीट के लिए डॉ. दत्तेश्वर होता को साझा उम्मीदवार घोषित कर सियासी चाल चल दी है. इस घोषणा के तुरंत बाद ओडिशा प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष भक्त चरण दास ने भी डॉ. होता को समर्थन देने का एलान कर दिया. इसके साथ ही बीजेडी और कांग्रेस के बीच संभावित समझ को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं. पूर्व मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने कहा, हमने डॉ. दत्तेश्वर होता को नामित किया है. वह साझा उम्मीदवार हैं. मैं सभी दलों से अपील करता हूं कि वे उनका समर्थन करें और उन्हें राज्यसभा भेजें. वहीं कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का हवाला देते हुए भक्त चरण दास ने कहा कि यह फैसला आपसी रिश्तों को बेहतर बनाए रखने की दिशा में उठाया गया कदम है.

भाजपा की रणनीति पर नजर- विपक्ष के समर्थन गणित के बाद अब निगाहें भाजपा की रणनीति पर टिक गई हैं. सवाल यह है कि क्या भाजपा भी साझा उम्मीदवार उतारेगी या फिर किसी बड़े चेहरे को मैदान में उतारकर सियासी दांव खेलेगी. राजनीतिक गलियारों में उद्योगपति दिलीप राय समेत कुछ राष्ट्रीय नेताओं के नामों की चर्चा है. ओडिशा भाजपा अध्यक्ष मनमोहन सामल ने कहा, यह उनकी रणनीति है. हमारे लिए संसदीय समिति का फैसला अंतिम होगा. सारी जानकारी समिति को भेज दी गई है.

हॉर्स ट्रेडिंग की आशंका

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि अगर भाजपा चौथी सीट के लिए तीसरा उम्मीदवार उतारती है, तो क्रॉस वोटिंग और हॉर्स ट्रेडिंग के आरोपों से इनकार नहीं किया जा सकता. ऐसे में ओडिशा की चौथी राज्यसभा सीट अब प्रतिष्ठा और रणनीति की जंग बन चुकी है.

विशेष **जेल से छूटते ही मिली मेयर की कुर्सी, भाजपा जॉइन करेंगे संजीव सिंह?**

धनबाद में फिर सिंह मेंशन की धमक!

धनबाद. कोयला सम्राट कहे जाने वाले दिवंगत सूर्यदेव सिंह के बेटे संजीव सिंह का वनवास खत्म हो गया. मेयर चुनाव से उनकी किस्मत खुल गई. इसके साथ ही धनबाद की सियासत में सिंह मेंशन की धमक भी गूंजने लगी. अब तो बीजेपी में वापसी के रास्ते भी खुलने लगे हैं.

आठ साल तक कोई नेता किसी भी आम आदमी से नहीं मिला. कोई सभाएं नहीं की. कोई बैठक नहीं. आम जनता से कोई कॉन्टैक्ट नहीं. फिर भी धनबाद की जनता ने उसे सिर-आंखों पर बैठाए रखा. जब जेलवास से लौटे तो उन्हें शहर की सरकार सौंप दी गई.

धनबाद की चौक-चौराहों आजकल संजीव सिंह की चर्चा है. दरअसल, शनिवार आधी रात के बाद से धनबाद के चर्चित सिंह मेंशन का नजारा बदला - बदला-सा दिख रहा. आखिर ऐसा हो भी क्यों नहीं, संजीव सिंह मेयर चुन लिए गए हैं. धनबाद के पूर्व विधायक संजीव सिंह की 2026 में लॉटरी लग गई. साहस और धैर्य के साथ झंझावातों का सामना करते हुए वो राजनीति में एक बार फिर शिखर पर पहुंच गए. आठ साल से अधिक समय तक जेल में रहने के बाद निकले तो गाजे-बाजे के साथ उन्हें मेयर की कुर्सी धनबाद की जनता ने सौंप दी. ये अलग बात है कि लगातार लंबे समय तक जेल में रहने की वजह से सिंह मेंशन कमजोर दिखने लगा था. लेकिन, संजीव सिंह के जेल से बाहर निकलते ही धनबाद की राजनीति पर छा गए.

पत्नी ने संभाली सियासी विरासत- संजीव सिंह पर पिता की विरासत को आगे बढ़ाने का संघर्ष अभी खत्म नहीं हुआ है. जेल में रहने के बावजूद भी समर्थकों की फौज बनी रही. उनके जेल में रहते ही उनकी पत्नी रागिनी सिंह झरिया से विधायक (बीजेपी) चुनी गईं. ये अलग बात है कि समय के साथ सिंह मेंशन कई खेमों में बट गया. बावजूद, संजीव सिंह की विजय यात्रा एक बार फिर शुरू हो गई है. ये भी सच है कि संजीव सिंह के लंबे समय तक जेल में रहने के समय विधायक रागिनी सिंह समर्थकों को एकजुट रखने में पूरी तरह से सफल रहीं.

झंझावातों से लड़कर सिंह मेंशन एक बार फिर शिखर पर पहुंच गया है. हालांकि, ये कोई पहला मौका नहीं है, इसके पहले भी कई बार सिंह मेंशन को परेशानियों ने घेरा.

प्रचंड जीत से बीजेपी में वापसी का रास्ता?

धनबाद नगर निगम चुनाव में संजीव सिंह ने एकतरफा जीत दर्ज कर अपनी राजनीतिक ताकत का लोहा मनवाया. भाजपा से टिकट न मिलने पर बागी होकर चुनाव लड़ने के कारण उन्हें शोकॉज नोटिस थमाया गया था, लेकिन इस शानदार जीत ने समीकरण बदल दिए हैं. भाजपा के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने संकेत दिया है कि जल्द ही उनका नोटिस वापस लेकर उन्हें विधिवत पार्टी की सक्रिय सदस्यता दी जा सकती है. नीरज सिंह हत्याकांड में अगस्त 2025 में बरी होने के बाद ये चुनाव संजीव के लिए एक अग्निपरीक्षा थी, जिसमें वे सफल रहे. उनकी पत्नी झरिया विधायक रागिनी सिंह का पार्टी में मजबूत कद भी उनकी वापसी की राह आसान बना रहा है.